''वनस्पति है अनन्त जीवों का अक्षयकोष''

– युवाचार्य महाश्रमण

लाडनूं, 20 मई।

युवाचार्य महाश्रमण ने जैन विश्व भारती स्थित सुधर्मासभा में प्रवचन के दौरान कहा कि संसार में जितने जीव हैं उनमें सबसे ज्यादा जीव वनस्पितिकाय के हैं। वनस्पति काय अनन्त जीवों का अक्षय कोष है।

उन्होंने कहा कि वनस्पति के एक सूई के नोक के बराबर के भाग में अनन्त जीव होते हैं। वैज्ञानिक भी इस तथ्य को स्वीकारने लग गये हैं। उन्होंने कहा कि वनस्पतिकाय की अनिवार्य हिंसा से बचना कठिन है पर अनपेक्षित हिंसा से बचने का प्रयास करना चाहिए। जब हमें जीवों के बारे में और अहिंसा के बारे में ज्ञान होगा तभी हम अपने आपको हिंसा से बचा सकते हैं। ज्ञान के समान कोई पवित्र वस्तु नहीं है।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि परमात्मा की साधना करने के लिए वीतरागता की साधना आवश्यक है। अन्तर्मुखी वृत्ति होने पर ही आनन्द की प्राप्ति होती है और ऐसी वृत्ति वाला ही जीवों के प्रति दया का भाव रख सकता है। उन्होंने श्रावक समाज से बारह व्रतों को अनाने की प्रेरणा दी।

राष्ट्रीय संस्कार निर्माण शिविर का शुभारंभ आज

लाडनूं, 20 मई।

राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य एवं युवाचार्य महाश्रमण के निर्देशन में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के द्वारा आयोजित होने वाले राष्ट्रीय संस्कार निर्माण शिविर का शुभारम्भ आज (21 मई) प्रातः 9 बजे सुधर्मा सभा में होगा। शिविर संयोजक भूपेन्द्र मूथा ने बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न अंचलों से 13 से 18 वर्ष की उम्र के 250 बालक बालिकाएं भाग लेंगे। जिनको साधु–साध्वियों एवं समणीगण के द्वारा व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार जागरण, जैन इतिहास, जैन ज्ञान, प्रेक्षाध्यान जीवन विज्ञान, आसन प्राणायाम, जैन जीवन शैली आदि विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जायेगा। इनके साथ ही विषयों विशेषज्ञों के द्वारा भी प्रशिक्षण दिया जायेगा।

मूथा ने बताया कि शिविर के आयोजन सम्बन्धित सारी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। उन्होंने बताया दक्षिण भारत के अनेक क्षेत्रों से 90 बच्चे एवं राजस्थान के अनेक क्षेत्रों से 40 बच्चे शिविर में भाग लेने के लिए जैन विश्व भारती पहुंच चुके हैं। शेष बालक–बालिकाएं देर रात तक पहुंच जायेंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न विषयों पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी। इसके साथ ही लाडनूं के दर्शनीय स्थलों, तुलसी कला प्रेक्षा आदि स्थानों को दिखाया जाएगा।